Daily Gospel Reflections in Hindi

09 October 2019

लूकस 11 : 24 - 26
The return of the evil spirit

आज का शुभ समाचार हमें आदतन पाप के बारे में मनन करने के लिए आमंत्रित करता है। अगर हम अपने जीवन की ओर देखें तो पाएंगे कि हम किसी एक पाप से परेशान रहते हैं । उस पाप को रोजाना या हमेशा करते आ रहे हैं। पाप स्वीकार के जरिए उस पाप को हम कबूल करते हैं , पश्चाताप करते हैं और एक नए व्यक्ति बन जाते हैं। इस संस्कार के बाद हम बहुत खुश होते हैं लेकिन शीघ्र ही हम दोबारा उसी पाप को करना शुरू कर देते हैं । लोग इस संघर्ष की वजह से निराश रहते हैं, सुसमाचार इसे आध्यात्मिकता का संघर्ष के रूप में प्रस्तुत करता हैं ।

जब हम अपने आदतन पाप से दूर होने के लिए संघर्ष करते हैं तब हमारे शरीर में शैतान आकर दोबारा वही पाप करने का प्रेरणा देता है, प्रलोभन देता है और हमारी आत्मा को नष्ट करने का प्रयत्न करता है। इसके फलस्वरूप कुछ लोग शैतान के हाथों में दोबारा गिरकर विनाश की ओर गिरते रहते हैं । कुछ लोग अपने पापमय जीवन से बाहर निकलने की कोशिश करना भी छोड़ देते हैं । यह एक बहुत बड़ी और बुरी अवस्था है । इस तरह की अवस्था से बाहर निकलने के लिए एक ही महत्वपूर्ण आध्यात्मिक सिद्धांत है कि कठिन मेहनत से पाप की स्थिति से बाहर निकालना । इस से बाहर निकलने के लिए गहरी आध्यात्मिक शुद्धि और तन - मन की संपूर्ण समर्पण की आवश्यकता होती है ।

हमारे जीवन के पाप रूपी अवस्था को आध्यात्मिक सिद्धि और तन मन की संपूर्ण समर्पण के जरिए बदलने के लिए कोशिश करें । जितने भी अशुद्ध आत्मा आकर हमें हराने की कोशिश करें तब भी ईश्वर की कृपा से उसे तोड़ डालने के लिए हम प्रयत्न करें

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019